बृहस्पतिवार
34 साल से देहरादून का विश्वास
14 मई 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 110
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

9 करोड़ का करंट आम आदमी पर गिरा!

हमारे प्रतिनिधि

देहरादून। शहरी विकास विभाग द्वारा दून की स्ट्रीट लाइटों पर देय 9 करोड़ के बकाया बिजली बिलों के भुगतान की वसूली आम विद्युत उपभोक्ताओं से किए जाने संबंधित शहरी विकास विभाग के प्रयासों से आक्रोशित विद्युत उपभोक्ताओं ने विरोध प्रकट किया।

इस विषय पर संयुक्त नागरिक संगठन द्वारा आयोजित जनसंवाद में गणमान्य नागरिकों ने शासन के इस प्रयास को विद्युत उपभोक्ताओं के अधिकारों पर आघात बताते हुए इसे जजिया कर की संज्ञा दी। इनका कहना था की शहर में स्ट्रीट लाइटों के रखरखाव और बिलों के भुगतान की जिम्मेदारी पूर्ण रूप से नगर निकायों की है। सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार भी उपभोक्ता केवल खुद खपत की गई बिजली के भुगतान के लिए ही जिम्मेदार जिम्मेदार है और ऐसी सेवाओं के लिए इनपर बोझ नहीं डाला जा सकता है।

उन्होंने बताया हाउस टैक्स आदि से निगम को विगत वर्ष लगभग 60 करोड़ की आय हुई है तो यूपीसीएल के अब तक लंबित बकाया 9 करोड़ का भुगतान क्यों नहीं किया गया। मेयर और पार्षद भी देनदारी के कर्ज में डूबे निगम को बचाने मे अपने नैतिक दायित्वों का निर्वहन करने में असमर्थ रहे। निगम के आय और खर्चों में इनकी भी प्रमुख भूमिका होनी जरूरी है। विचार था कि स्थानीय निकायों की दयनीय वित्तीय हालत को देखते हुए मुख्यमंत्री धामी को वर्ष 2026-27 के 1 लाख 11 हजार करोड़ रूपये के बजट में से शहरी निकायों को आर्बंटित बजट रुपया 1814 करोड़ में 100 करोड़ का अतिरिक्त अनुदान स्वीकृत करके गरीबी में जी रहे निकायों को जीवन दान देना चाहिए। नागरिकों का यह भी सुझाव था की प्रदेशभर में 582 बस्तियों के घरों जिनमें दून की 129 बस्तियों के लगभग पचास हजार घर भी शामिल हैं, से भी हाउस टैक्स वसूल कर आय के संसाधन बढ़ाने चाहिए जिससे स्ट्रीट लाइटों के बिलों का भुगतान प्रत्येक माह नियमित रूप से होने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। वक्ताओं ने पहाड़ का पानी और पहाड़ की जवानी उत्तराखंड के काम नहीं आने का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि भागीरथी नदी पर बने टिहरी डैम से 2400 मेगावाट बिजली का उत्पादन होने पर भी केंद्र द्वारा राज्य को सस्ती बिजली दरों पर विद्युत उपलब्ध न करा पाना जनता के साथ अन्याय है, प्रधानमंत्री द्वारा यहां 1000 मेगावाट पंप स्टोरेज प्लांट परियोजना के भावी लोकार्पण में इस संबंध में घोषणा किया जाना अपेक्षित होगा।

संवाद का संचालन सुशील त्यागी ने किया। इस अवसर पर अर्जुन कोहली,पद्मेंद्र सिंह बर्थवाल, खुशवीर सिंह, राजीव शर्मा खनसाली, अमर सिंह धुनता, यज्ञ भूषण शर्मा, ब्रि.केजी बहल, लै. कर्नल बीएम थापा, दिनेश भंडारी, गिरीश चंद्र भट्ट,ठाकुर शेरसिंह, डॉ. राकेश डंगवाल, नरेश चंद्र कुलाश्री अवधेश शर्मा, ताराचंद गुप्ता, मैड के प्रिंस कपूर आदि संवाद में शामिल थे।

हलाला मामले में देश में पहली बार यूसीसी के तहत मुकदमा दर्ज!

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के तहत हलाला का पहला मामला धर्मनगरी हरिद्वार में पुलिस ने दर्ज किया है। बुग्गावाला थाने में पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर उसके पति और ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता महिला शाहिन ने अपने पति मोहम्मद दानिश और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, दानिश पर अपनी पत्नी को प्रताड़ित करने और विवाह से संबंधित अधिकारों के उल्लंघन का आरोप है।

इस मामले में पुलिस ने आरोपी पति दानिश के खिलाफ समान नागरिक संहिता, उत्तराखंड 2024 के तहत कार्रवाई की है, जो विशेष रूप से हलाला जैसी प्रथाओं को प्रतिबंधित और दंडनीय बनाती हैं। पुलिस ने इस मामले में केवल यूसीसी ही नहीं, बल्कि अन्य कड़े कानूनों के तहत भी शिकंजा कसा है। एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि बुग्गावाला पुलिस ने इस मामले में गहनता से जांच की और उपनिरीक्षक मनोज कुमार ने आरोप पत्र तैयार कर न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय रुड़की के कोर्ट में पेश किया है। इस मामले में मुख्य आरोपी दानिश के अलावा उसके परिवार के अन्य सदस्यों जैसे पिता मोहम्मद अरशद,परवेज, जावेद, और गुलशाना के नाम भी शामिल हैं।

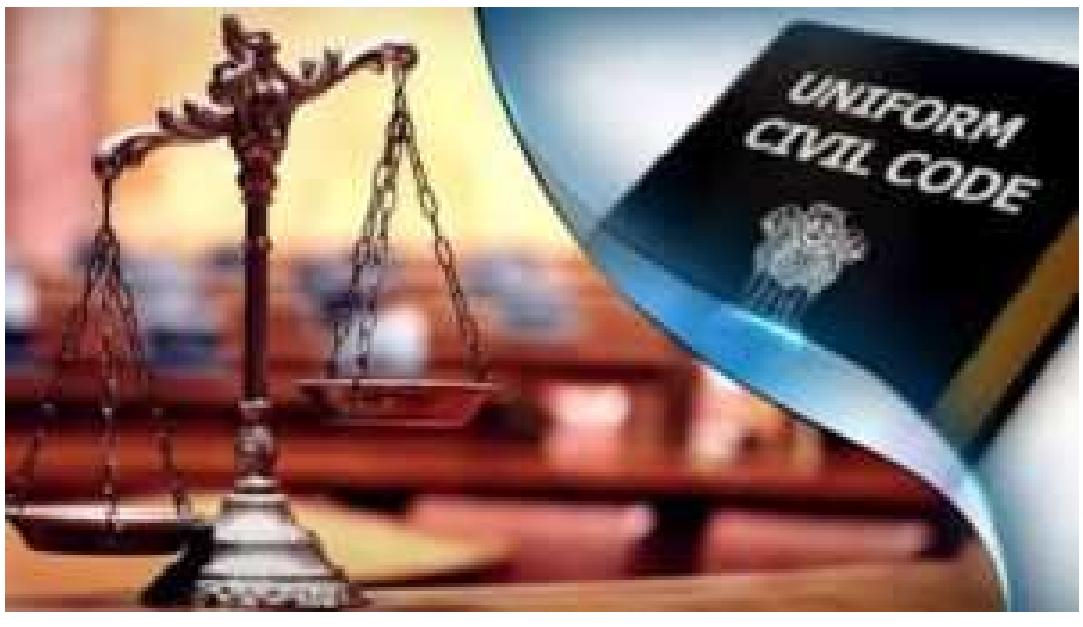

दून वैली मेल

संपादकीय

घोर आर्थिक संकट में फंसा देश

इसमें किसी को भी कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से सोना न खरीदने से लेकर पेट्रोल-डीजल तथा खाद्य तेलों से लेकर अन्य अपने तमाम खर्चों में कटौती करने की जो अपील की है वह बेवजह नहीं है। इसके सीधा मतलब है देश की वित्तीय स्थिति का डांवाडोल होना। इस आर्थिक संकट के पीछे तमाम प्रत्यक्ष और परोक्ष कारण है। यह अलग बात है कि सरकार इसके पीछे ईरान-इजरायल युद्ध के कारण लाल सागर के आयात मार्ग को बाधित होने का कारण बताकर अन्य आर्थिक नीतियों में असफलता के मुद्दों को छिपाने की कोशिश कर रही हो। डॉलर के मुकाबले रुपए का इतना कमजोर होना कि आयात निर्यात का संतुलन ही बिगड़ जाए और सरकार की वह मजबूरी कि वह अपने रिजर्व कोष की पाबंदियों से अधिक खर्च न कर पाए तब सरकार के पास जनता से त्याग की अपील करने के सिवाय और रास्ता भी नहीं बचता है लेकिन पीएम मोदी जो अब तक देश के लोगों के सामने तमाम तरह की ऊल-जुलूल नसीहत करते रहे हैं इसलिए उनकी वर्तमान नसीहतों का भी सोशल मीडिया पर खूब मजाक बन रहा है तथा पीएम की बात को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा है। पीएम मोदी और उनकी सरकार के सामने अब जो अविश्वास का माहौल बन चुका है उसे साधने में अब भाजपा का आईटी सेल और भाजपा शासित राज्यों द्वारा भी युद्ध स्तर पर प्रयास किया जा रहे हैं। पीएम मोदी की अपील के बाद भी उनकी अपनी रैलिया में भीड़ जुटाना तथा मंत्रियों और विधायकों द्वारा अपने खर्चों में कटौती न करने पर जब विपक्ष ने सरकार की घेराबंदी की कि वह दूसरों को नसीहते और खुद मियां फजीहत बन रह है, तब जाकर भाजप का नेतृत्व जागा और पीएम के काफिलो और राज्यों की सरकारों तक इसका असर देखने को मिला। नेता विपक्ष राहुल गांधी एक समय में पीएम मोदी का मजाक बनाते हुए उन्हें सूट बूट वाली सरकार बताते थे। तब लोग राहुल को भला बुरा कहते थे लेकिन अब उन्हें भी समझ आ गया है कि सूट भूट वाली मोदी सरकार ने देश की आर्थिक बदहाली को कितनी गहरी खाई में धकेल दिया है भाजपा का आईटी सेल अब खोज खोज कर उन पूर्व प्रधानमंत्रियों की ऐसी अपीलों को प्रचारित कर रहा है लेकिन विडंबना यह है कि पूर्व सरकारों के समय में देश की हालात क्या थे? 1966 में तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से अन्न बचाने के लिए सोमवार का व्रत रखने की अपील की गई थी लेकिन तब देश में अन्न का भारी आकाल था और सादा जीवन उच्च विचार की शैली के तहत अमेरिका पर अन्न की निर्भरता को कम करना चाहते थे। देश हित में उन्होंने खुद भी उपवास किए थे तथा इंदिरा गांधी ने अपने जेवर दान कर दिए थे। आज भारत के सामने वैसी स्थितियां नहीं है। एक तरफ सरकार विकसित भारत की बात करती है और 5 ट्रिलियन वाली अर्थव्यवस्था का ढोल पीटती है और दूसरी तरफ लोगों से त्याग की अपील की जाती है व अपील से पूर्व पांच राज्यों में धन को धुआ-धुआ बनाकर उड़ाने के बाद की जाती है। अगर देश इतने बड़े संकट में था तो सरकार को चुनाव से पूर्व या चुनाव के समय में ही इस त्याग के लिए अपील करने का साहस दिखाना चाहिए था लेकिन पीएम तो चुनाव के बाद भी रोड व जीत के जश्न और शपथ ग्रहण समारोह में खूब भीड़ जुटाने व खर्च करने में व्यस्त दिखे? ऐसे में जनता का सवाल उठना भी वाजिब है भले ही सरकार इसका जवाब दे न दे और तो और अभी कुछ नेता स्वच्छ भारत अभियान की तरह सड़कों पर झाड़ू लगाने व फोटो शॉप करने की तर्ज पर स्कूटर की सवारी करने का दिखावा कर रहे हैं ऐसे में जनता भी इन पर क्या भरोसा करेंगी? सोचनीय सवाल है। लोग पूछ रहे हैं क्या कमाल है घोर आर्थिक संकट में भी अवसर की यह तलाश।

एसएसपी ने ईंधन संरक्षण का दिया संदेश, बाइक से निकले एसएसपी

हमारे संवाददाता

नैनीताल। वैश्विक स्तर पर उत्पन्न संकट एवं ईंधन संसाधनों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी द्वारा राष्ट्रहित में एक प्रेरणादायी पहल की गई। एसएसपी ने स्वयं बड़े वाहनों का प्रयोग सीमित करते हुए मोटरसाइकिल से कार्यालय एवं क्षेत्र भ्रमण कर आमजन को ईंधन संरक्षण का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह ईंधन की बचत कर राष्ट्रहित में अपना योगदान दे। इसी क्रम में आमजन से अधिक से अधिक छोटे वाहनों, सार्वजनिक परिवहन, कार-पूलिंग तथा पैदल चलने की अपील की गई। एसएसपी ने बताया कि छोटी-छोटी सावधानियां और जागरूकता भविष्य में बड़े सकारात्मक परिणाम ला सकती हैं। ईंधन संरक्षण न केवल आर्थिक दृष्टि से आवश्यक है बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्रीय संसाधनों की सुरक्षा के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुलिस द्वारा भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनावश्यक वाहन उपयोग से बचने, कार-पूलिंग अपनाने तथा ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक रहने के निर्देश दिए गए हैं।

विस चुनाव 2027 के संभावित मुद्दे (भाग-8)

उत्तराखंड के विधानसभा चुनाव 2027 में रोजगार बन सकता है सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा

अब 'जुमले' नहीं 'जवाब' मांगेंगे 'युवा'

- डिग्री और डिजिटल दुनिया के बीच खड़ा युवा चुनाव में कर सकता है कुछ अलग
- विस चुनाव सियासत समझ पाएगी उत्तराखंड के जागरूक युवाओं की नब्ज
- पहाड़ की जवानी अब अपनी शर्तों पर लिखेगी चुनाव में कामयाबी की इबारत

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड में आगामी विधानसभा चुनावों की राजनीतिक हलचल तेज होने लगी है। राजनीतिक दल भले ही विकास, सड़क, पर्यटन और धार्मिक आयोजनों को अपनी उपलब्धि बता रहे हों, लेकिन पहाड़ के गांवों और शहरों के युवाओं के मन में सबसे बड़ा सवाल आज भी वही हैकृ रोजगार कहां है? आज युवा की सोच आज के दौर में न केवल बदली है, बल्कि यह अधिक स्पष्ट, व्यावहारिक और तकनीकी रूप से जागरूक हो गई है। युवा परंपराओं का सम्मान तो करता है, लेकिन वह अब केवल हौसले के भरोसे नहीं, बल्कि संसाधनों और अवसरों के साथ आगे बढ़ना चाहता है। आगामी विधानसभा चुनाव में युवाओं की सोच राजनैतिक दलों के लिए परेशानी बन सकती है।

बता दें कि राज्य गठन के 25 साल बाद भी उत्तराखंड का युवा नौकरी के लिए दिल्ली, चंडीगढ़, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों की ओर पलायन करने को मजबूर है। ऐसे में माना जा रहा है कि 2027 के विधानसभा चुनाव में रोजगार की कमी सबसे बड़ा और निर्णायक मुद्दा बन सकती है। उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में लगातार पलायन बढ़ रहा है। गांवों में खेत सूने हैं, स्कूलों में बच्चों की संख्या घट रही है और युवा रोजगार की तलाश में मैदानों की ओर जा रहे हैं। कई गांव भूतिया गांव बन चुके हैं, जहां अब केवल बुजुर्ग रह गए हैं।

राज्य सरकारें समय-समय पर स्वरोजगार और स्टार्टअप योजनाओं की बात करती रही हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का प्रभाव सीमित दिखाई देता है। युवाओं का आरोप है कि सरकारी नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया बेहद धीमी है और कई बार पेपर लीक जैसी घटनाएं विश्वास को तोड़ देती हैं।

उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था लंबे समय से पर्यटन, सेना भर्ती और सरकारी नौकरियों पर निर्भर रही है। लेकिन बदलते दौर में युवाओं की संख्या और अपेक्षाएं दोनों बढ़ी हैं। पहाड़ में उद्योगों की कमी, सीमित निजी निवेश और तकनीकी शिक्षा के बाद अवसरों का अभाव बड़ी चुनौती बना हुआ है। देहरादून, हरिद्वार और उधमसिंह नगर जैसे जिलों में कुछ रोजगार अवसर जरूर बने, लेकिन पर्वतीय क्षेत्रों में हालात अभी भी चिंताजनक हैं।

सरकारी नौकरी असली रोजगार

पहाड़ में सरकारी नौकरी को ही असली रोजगार माना जाता है। पुलिस, शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग में खाली पड़े हजारों पदों को भरना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना और होमस्टे जैसी योजनाओं ने कुछ उम्मीदें जगाई हैं, लेकिन बुनियादी ढांचे की कमी के कारण यह योजनाएं हर जिले में सफल नहीं हो पाई हैं। पिछले कुछ वर्षों में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग और अन्य भर्ती परीक्षाओं में हुए घोटालों ने युवाओं के मनोबल को चोट पहुँचाई है। पेपर लीक और भ्रष्टाचार के मामलों ने सत्ता पक्ष के लिए बचाव की स्थिति पैदा की है, वहीं विपक्ष इसे युवा विरोधी सरकार के रूप में भुनाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि सरकार ने देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया है, लेकिन युवाओं के बीच यह सवाल अब भी बरकरार है कि क्या नई भर्तियां समय पर और पारदर्शी तरीके से पूरी होंगी?

उत्तराखंड की राजनीति में लंबे समय से विकास और पलायन साथ-साथ चर्चा में रहे हैं। सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़क और धार्मिक पर्यटन को विकास का माडल बता रही है। लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि क्या इन परियोजनाओं से पहाड़ के युवाओं को स्थायी रोजगार मिलेगा? विश्लेषकों का मानना है कि यदि स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन नहीं हुआ, तो पलायन और तेज हो सकता है। आगामी चुनाव में युवाओं और क्षेत्रीय मुद्दों को केंद्र में रखने की तैयारी कर रहा है। यूकेडी ने सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ने का संकेत दिया है और संगठन में युवाओं को जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। सोशल मीडिया और आनलाइन चर्चाओं में भी रोजगार, पलायन और पहाड़ के खाली होते गांवों को लेकर चिंता साफ दिखाई देती है।

उत्तराखंड में बेरोजगारी दर अक्सर राष्ट्रीय औसत के इर्द-गिर्द या उससे ऊपर बनी रहती है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्टों के अनुसार शिक्षित युवाओं में रोजगार की कमी एक बड़ी चिंता है। रिपोर्ट के अनुसार विधानसभा चुनाव में 2027 में लगभग 15-20 लाख युवा मतदाता निर्णायक भूमिका निभाएंगे। यह वर्ग पार्टियों के पारंपरिक वोट बैंक से हटकर डिलीवरी और जवाबदेही के आधार पर मतदान करने की प्रवृत्ति दिखाएंगे। युवाओं की सोच का परिणाम हम नेपाल चुनाव में देख चुके हैं। हालांकि प्रदेश के राजनैतिक दल भी इस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं, लेकिन परिणाम क्या होंगे यह तो बाद में ही पता चल पाएगा।

बार-बार प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक की घटनायें युवाओं के हितों पर कुठाराघातः गोदियाल

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को पत्र लिखकर प्रतियोगी परीक्षाओं के बार-बार हो रहे पेपर लीक मामलों को युवा हितों पर कुठाराघात बताया।

आज यहां उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को पत्र लिखकर प्रतियोगी परीक्षाओं के बार-बार हो रहे पेपर लीक मामलों को युवा हितों पर कुठाराघात बताते हुए कहा है कि पिछले कुछ वर्षों से देश में जिस प्रकार प्रतियोगी परीक्षाओं विषेशकर नीट और उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग जैसी परीक्षाओं मे पेपर परीक्षा से पूर्व पेपर लीक हो रहे हैं उससे परीक्षा का आयोजन करने वाली ऐजेंसियों और सरकार की कार्यप्रणाली पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा हो गया है तथा पेपर लीक की घटनाओं में सत्ताधारी दल के लोगों की संलिप्तता ने सभी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता को ही संदिग्ध बना दिया है। कांग्रेस मीडिया कमेटी के चेयरमैंन राजीव महर्षि ने विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को लिखे पत्र में कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा है कि देश की सबसे महत्वपूर्ण चिकित्सा प्रवेश परीक्षा नीट में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक, अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार के मामलों ने लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों का विश्वास गंभीर रूप से प्रभावित किया है। चिकित्सा प्रवेश परीक्षा नीट में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक और धांधली के मामलों ने लाखों मेहनती छात्रों और उनके अभिभावकों का विश्वास तोडने का काम किया है। यह केवल एक परीक्षा में गड़बडी का मामला नहीं, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। वर्षों की कठिन मेहनत आर्थिक संसाधनों और मानसिक दबाव के बीच परीक्षा की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के भविष्य के साथ इस प्रकार का खिलवाड़ अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिंताजनक है। गणेश गोदियाल ने कहा कि आज देश का युवा दिन-रात मेहनत करके अपने भविष्य का सपना देखता है, लेकिन जब परीक्षाओं की गोपनीयता ही सुरक्षित न रहे तो प्रतिभाशाली और ईमानदार छात्रों का मनोबल टूटना स्वाभाविक है। केंद्र सरकार और संबंधित एजेंसियों की जिम्मेदारी है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पारदर्शी और मजबूत परीक्षा प्रणाली लागू करें। गत वर्षों में नीट और उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग परीक्षा सहित अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े पेपर लीक, सॉल्वर गैंग, फर्जी परीक्षार्थियों तथा परीक्षा केंद्रों में अनियमितताओं के अनेक मामले सामने आए हैं जिनमें सत्ताधारी दल के लोगों की संलिप्तता गम्भीर चिन्ता का विषय है। इन घटनाओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि परीक्षा

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दो शिक्षक समेत सात लोगों को मिला बीना स्मृति सम्मान

चमोली (आरएनएस)। विकासखंड के बरतोली में मंगलवार को स्व. बीना स्मृति पर्यावरण एवं संवर्धन एवं सांस्कृतिक मेले का शुभारंभ हुआ। इस दौरान सात लोगों को स्व. बीना स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। इस मौके पर महिला मंगल दलों और स्कूली बच्चों ने लोकगीत और लोकनृत्यों की प्रस्तुति भी दी गई। मंगलवार को मेले का शुभारंभ जिपंस रेखा बिष्ट ने किया। लोक जागृति विकास संस्था के सचिव जितेंद्र कुमार ने बीना के बलिदान पर आधारित व तेरी ऋतु बसंत बोड़ी की आंदा, मनखी बोड़ी नी आंदा...गीत की मार्मिक प्रस्तुति दी जिससे सभी की आंखें नम हो गईं। मेले में बीना स्मृति फाउंडेशन की ओर से आनंद सिंह कांदली प्रभागीय लैंगिक प्रबंधक वन विकास निगम, शिक्षक धनपति शाह और उमेश चंद्र सती, वन दरोगा दिनेश रोदियाल और हनुमंत सिंह बिष्ट, डिप्टी रेंजर लोहबारेंज अवतार सिंह रावत, राजपाल कोठियाल को बीना स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ ही बीना की मां नंदी देवी को भी सम्मानित किया गया। जिपंस रेखा बिष्ट ने बताया कि जंगल की आग बुझाने के दौरान बीना बिष्ट (14) की मौत हो गई थी। तब से हर साल उनकी स्मृति में यह आयोजन किया जाता है। उन्होंने बीना के स्मारक के लिए 5 लाख और मेले के लिए ढाई लाख रुपये देने की घोषणा की। इस मौके पर रेंजर नवल किशोर नेगी, मेला समिति के अध्यक्ष बेंजी लाल शाह, अंजना देवी, ग्राम प्रधान सुमेदा बिष्ट और अंजना देवी आदि मौजूद रहे।

भूमि विवाद सुलझा, गडोरा में शुरू हुआ डामरीकरण

चमोली(आरएनएस)। बदरीनाथ हाईवे पर गडोरा में लंबे समय से चल रहा भूमि संबंधी मामला चमोली तहसील प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद सुलझ गया है। कार्यदायी संस्था एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर की ओर से यहां हाईवे चौड़ीकरण के साथ ही डामरीकरण कार्य भी शुरू कर दिया है जिससे बदरीनाथ धाम की तीर्थयात्रा सुगम हो जाएगी। साथ ही स्थानीय लोगों को धूल से निजात मिल गई है। गडोरा में एनएचआईडीसीएल की कार्यदायी संस्था एनकेजी की ओर से हाईवे चौड़ीकरण के लिए कटिंग की गई मगर स्थानीय लोगों ने निजी भूमि को नुकसान होने का हवाला देते हुए कार्य रोक लिया। तब से यहां हाईवे का करीब 200 मीटर हिस्सा बदहाल स्थिति में था। गडोरा में हाईवे पर भूमि विवाद लंबे समय से चल रहा था जिससे एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर यहां डामरीकरण कार्य नहीं कर पा रही थीं। एसडीएम चमोली आरके पांडेय और तहसीलदार दीप्तिशिखा ने स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर भूमि संबंधी मामले का निस्तारण किया जिसके बाद यहां डामरीकरण कार्य शुरू हो गया है।

मुआवजे पर नहीं बनी सहमति, प्रशासन-प्रभावितों की वार्ता विफल

चमोली(आरएनएस)। मुआवजे की मांग के लिए बहुगुणानगर और सुभाषनगर के प्रभावितों और प्रशासन के बीच हुई वार्ता विफल रही। प्रभावित परिवार मुआवजा मिलने के बाद ही ट्रीटमेंट कार्य शुरू किए जाने की मांग पर अड़े रहे जिस कारण बैठक में कोई नतीजा नहीं निकल सका। तहसील सभागार में हुई बैठक में प्रभावितों ने सवाल उठाया कि जब ट्रीटमेंट के लिए 50 करोड़ रुपये जारी हो सकते हैं तो मुआवजे में देरी क्यों। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुआवजा मिलने तक वे ट्रीटमेंट का कार्य नहीं होने देंगे। प्रभावित पुष्कर सिंह रावत ने बताया कि चार साल से वे प्रशासन के चक्कर काट रहे हैं और पांच दिन से धरने पर हैं। सभासद कमला रतूड़ी ने सरकार से मुआवजे की समय सीमा तय करने की मांग की। प्रभावितों ने चेतावनी दी यदि जल्द मुआवजे को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हुई तो वे आंदोलन तेज कर देंगे। अनियोजित विकास के कारण ही उन्हें आज धरने पर बैठने के लिए मजबूर होना पड़ा है। सरकार को उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उपजिलाधिकारी अलकेश नौडियाल ने कहा कि जिलाधिकारी के निर्देश पर वार्ता हुई। समस्याएं सुनी गईं लेकिन प्रभावित मुआवजे पर अड़े हैं। वार्ता में नपा सभासद रीना रावत, पूर्व सभासद हरेंद्र सिंह बिष्ट, सुभाष चमोला, पद्मा देवी, दानू बहुगुणा, सरला देवी और राकेश रावत सहित कई अन्य प्रभावित मौजूद रहे।

नगर निगम ने डिलीवरी प्लेटफॉर्म रैपिडो को नोटिस भेजा

हरिद्वार(आरएनएस)। नगर निगम ने ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म रैपिडो को नोटिस जारी किया है। निगम के संज्ञान में आया है कि ऑनलाइन के माध्यम से कुछ संवेदनशील क्षेत्रों, विशेषकर गंगा घाटों के आसपास, मांसाहारी वस्तुओं की डिलीवरी की जा रही है। नगर निगम ने इसे धार्मिक भावनाओं और स्थानीय परंपराओं के विपरीत बताते हुए गंभीर आपत्ति दर्ज की है। उप नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी ने बताया कि नोटिस में स्पष्ट लिखा गया है कि हरिद्वार धार्मिक नगरी है, जहां अधिसूचित और संवेदनशील क्षेत्रों में मांस और मदिरा की बिक्री, परिवहन और उपभोग को लेकर पूर्ण प्रतिबंध लागू हैं। नगर निगम प्रशासन ने निर्देश दिए हैं कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़े किसी भी डिलीवरी पार्टनर, विक्रेता, रेस्टोरेंट और अन्य संबंधित व्यक्ति द्वारा नगर निगम क्षेत्र, विशेषकर गंगा घाटों और प्रतिबंधित इलाकों में मांसाहारी उत्पाद, मदिरा अथवा अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की डिलीवरी न की जाए। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि भविष्य में इस प्रकार की गतिविधि मिलने पर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, कंपनी प्रबंधन को सभी विक्रेताओं व डिलीवरी पार्टनर्स को तत्काल अनुपालन संबंधी निर्देश जारी कर इसकी पुष्टि नगर निगम को उपलब्ध कराने को कहा गया है।

एसएसपी के निर्देशन में फायर मॉक ड्रिल से लोगों को किया प्रशिक्षित

संवाददाता

टिहरी। एसएसपी श्रीमति श्वेता चौबे के निर्देशन पर जनसुरक्षा एवं अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव हेतु व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम एवं फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल श्रीमती श्वेता चौबे के निर्देशन एवं आदेशों के अनुपालन में अग्निशमन एवं आपात सेवा केंद्र नरेंद्र नगर द्वारा जनसुरक्षा एवं अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव हेतु व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम एवं फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी अग्निशमन अधिकारी शंकर चंद रमोला के नेतृत्व में फायर सर्विस टीम द्वारा नरेंद्र नगर की आवासीय बस्तियों में पहुंचकर आमजन को आग लगने की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों एवं प्राथमिक अग्निशमन उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। टीम द्वारा नागरिकों को घरेलू गैस सिलेंडर, विद्युत उपकरणों एवं अन्य ज्वलनशील पदार्थों के सुरक्षित उपयोग के संबंध में भी जागरूक किया गया। इसके उपरांत फायर यूनिट नरेंद्र नगर द्वारा ढालवाला

इंडस्ट्रियल एरिया स्थित प्रिंटओपेक औद्योगिक इकाई का फायर रिस्क निरीक्षण किया गया, जिसमें औद्योगिक परिसर में उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों, आपातकालीन निकासी मार्गों एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों को औद्योगिक क्षेत्र में संभावित अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव एवं त्वरित प्रतिक्रिया के संबंध में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत फायर सर्विस टीम द्वारा एक प्रभावी फायर मॉक ड्रिल का आयोजन भी किया गया, जिसमें कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों को फायर एक्सटिंग्यूशर के प्रयोग की व्यावहारिक जानकारी दी गई। साथ ही खुले स्थान पर कृत्रिम रूप से आग लगाकर उसे अग्निशमन यंत्रों की सहायता से नियंत्रित एवं बुझाने का प्रदर्शन किया गया, जिससे उपस्थित लोगों को आपात स्थिति में त्वरित कार्यवाही करने का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। टिहरी पुलिस एवं अग्निशमन विभाग द्वारा संचालित इस जनहित अभियान का उद्देश्य आमजन एवं औद्योगिक इकाइयों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक कर संभावित दुर्घटनाओं को रोकना तथा आपदा के समय प्रभावी प्रतिक्रिया हेतु तैयार करना है।

पुरानी टंकी क्षेत्र में लगी भीषण आग, फायर यूनिट ने पाया काबू

हमारे संवाददाता

चम्पावत। पुरानी टंकी क्षेत्र में भीषण आग पर फायर यूनिट टनकपुर ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जिससे कई दुकानों को आग की चपेट में आने से बचाया जा सका साथ ही जनहानि को भी रोका जा सका है।

जानकारी के अनुसार आज तड़के 2.27 बजे फायर स्टेशन टनकपुर को सूचना प्राप्त हुई कि वार्ड नंबर-1 पुरानी टंकी के पास स्थित दुकानों में भीषण आग लगी हुई है। सूचना प्राप्त होते ही प्रभारी अग्निशमन अधिकारी अमर सिंह अधिकारी के नेतृत्व में फायर टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। घटनास्थल पर पहुंचने पर दुकानों में लगी आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी। फायर यूनिट द्वारा तत्काल पंपिंग कर एक होज पाइप की सहायता से आग बुझाने का कार्य प्रारम्भ किया गया! इसके उपरांत मिनी हाई प्रेशर पंप एवं होज रील की सहायता से लगातार कड़ी मशक्कत करते हुए आग पर सफलतापूर्वक काबू पाया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का संभावित कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। राहत की बात यह रही कि इस अग्निकांड में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना के उपरांत उपस्थित जनसमूह को अग्नि सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। आग लगने की इस घटना में जो लोग प्रभावित हुए है उनके नाम रुचि वर्मा पत्नी वरुण वर्मा कॉस्मेटिक दुकान, सतपाल सिंह पुत्र राजेश पाल कॉस्मेटिक दुकान, देवेंद्र पुत्र सीताराम चश्मा एवं बेल्ट दुकान, करन पुत्र देवेंद्र कुमार बैग एवं पायदान दुकान, रामप्रकाश पुत्र मैखु लाल कॉस्मेटिक दुकान व श्याम पुत्र मैखु लाल कॉस्मेटिक दुकान शामिल है।

गरुड़ क्षेत्र की डाक व्यवस्था ध्वस्त, बनतोली डाकघर में 10 दिनों से पोस्टमैन गायब!

बागेश्वर(आरएनएस)। पर्वतीय अंचलों में पहले ही सरकारी व्यवस्थाओं की सुस्ती से जूझ रही जनता अब डाक विभाग की चरमराई व्यवस्था का दंश झेलने को मजबूर हो गई है। गरुड़ क्षेत्र के बनतोली स्थित डाकघर में पिछले करीब दस दिनों से पोस्टमैन के अभाव में संपूर्ण डाक व्यवस्था लगभग ठप पड़ चुकी है। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि डाकघर के भीतर पत्रों, स्पीड पोस्ट और जरूरी दस्तावेजों का अंबार लगा हुआ है, लेकिन उन्हें लोगों तक पहुँचाने वाला कोई नहीं है। इस लापरवाही का सीधा खामियाजा क्षेत्रीय जनता को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि डाकघर में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज महीनों की प्रतीक्षा के बाद पहुँचते हैं, जिनमें बेरोजगार युवाओं के नियुक्ति पत्र, बैंक संबंधी दस्तावेज, सरकारी सूचनाएँ और अन्य जरूरी पत्र शामिल हो सकते हैं। ऐसे में समय पर डाक न मिलने से लोगों के भविष्य पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार करीब दस दिन पूर्व पंकज भट्ट नामक पोस्टमैन नौकरी छोड़कर चला गया था। उसके बाद से विभाग ने कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की। परिणामस्वरूप पूरा तंत्र 卐राम भरोसे卐 संचालित हो रहा है। लोगों का आरोप है कि देहरादून से भेजी गई स्पीड पोस्ट तक दस दिनों बाद भी प्राप्त नहीं हो सकी है, जिससे विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जब इस पूरे मामले में बागेश्वर के सहायक डाक अधीक्षक अनिल प्रसाद से जानकारी ली गई तो उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में ही नहीं था। अधिकारियों का यह जवाब स्वयं विभागीय निगरानी व्यवस्था की पोल खोलने के लिए पर्याप्त माना जा रहा है। स्थिति केवल बनतोली तक सीमित नहीं है। द्योनाई डाकघर की हालत भी कम चिंताजनक नहीं बताई जा रही। वहाँ के पोस्टमास्टर के अनुसार मार्च महीने से नेटवर्क समस्याओं के चलते कार्य सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा है। विशेष रूप से गरीब ग्रामीणों के मनरेगा खातों के संचालन और नए खाते खोलने का कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इससे मजदूर वर्ग और ग्रामीण उपभोक्ताओं को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि डिजिटल इंडिया और ग्रामीण सशक्तिकरण के बड़े-बड़े दावों के बीच पहाड़ की जमीनी सच्चाई बेहद कड़वी है। डाक विभाग जैसी मूलभूत सेवा भी यदि इस प्रकार चरमराई रहेगी तो दूरस्थ गांवों में रहने वाले लोगों का सरकारी तंत्र से विश्वास उठना स्वाभाविक है। अब बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि आखिर सरकार इस डूबती हुई डाक व्यवस्था को कब पटरी पर लाएगी, या फिर धीरे-धीरे इस पूरी व्यवस्था का अंतिम संस्कार ही कर दिया जाएगा। पर्वतीय क्षेत्रों की उपेक्षा और प्रशासनिक लापरवाही पर जनता में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

एसएसपी के नेतृत्व में पुलिस ने निकाली विशाल यातायात जागरुकता रैली

संवाददाता

उधमसिंह नगर। एसएसपी अजय गणपति के निर्देशन पर पुलिस ने निकाली सडक सुरक्षा जीवन रक्षा रैली का आयोजन किया गया।

यहां सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधमसिंह नगर, अजय गणपति के निर्देशन में पुलिस कार्यालय रुद्रपुर से एक विशाल 'सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा' रैली का आयोजन किया गया। इस रैली के माध्यम से जनपद के नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। अभियान की शुरुआत करते हुए एसएसपी द्वारा पुलिस कार्यालय रुद्रपुर में सभी पुलिस अधिकारियों और जवानों को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने हेतु निर्देशित किया गया तथा समाज में सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया।ष इसके उपरांत, एसएसपी ने सुगम यातायात संचालन हेतु पुलिस मुख्यालय से प्राप्त मोटरसाइकिल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पुलिस कार्यालय से प्रारंभ होकर यह रैली शहर के प्रमुख चौराहों जैसे डीडी चौक, त्रिशूल चौक और नैनीताल रोड से गुजरी। पूरी रैली के दौरान पुलिस कर्मियों ने आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति प्रेरित किया। रैली के त्रिशूल चौक में पहुंचने पर एक यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस अधीक्षक अपराध/यातायात द्वारा बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों को फूल मालाओं से स्वागत करते हुए हेलमेट पहनाया गया और भविष्य में दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने की हिदायत दी गई। शराब पीकर वाहन न चलाएं और निर्धारित गति सीमा (स्पीड लिमिट) का पालन करें। कम उम्र के बच्चों को वाहन न सौंपें, यह कानूनन अपराध और जानलेवा है। दुर्घटना के समय घायलों की मदद करने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने हेतु योजना की जानकारी दी गई।एसएसपी अजय गणपति का संदेश दिया कि 'सड़क सुरक्षा हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा होनी चाहिए। यातायात के नियम हमारी सुरक्षा के लिए बने हैं। उधमसिंह नगर पुलिस का लक्ष्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और हर नागरिक की यात्रा को सुरक्षित बनाना है।' इस यातायात जागरूकता रैली में पुलिस अधीक्षक अपराध/यातायात, पुलिस उपाधीक्षक रुद्रपुर, प्रतिसार निरीक्षक, निरीक्षक यातायात, सीपीयू और जनपद के विभिन्न थानों व पुलिस कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम ने निर्माणाधीन आधुनिक चिल्ड्रन पार्क का किया निरीक्षण

संवाददाता

बागेश्वर। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने तहसील परिसर में निर्माणाधीन चिल्ड्रन पार्क का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं विकसित की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया।

आज यहां जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने तहसील परिसर में निर्माणाधीन चिल्ड्रन पार्क का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं विकसित की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि पार्क का निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। जिलाधिकारी ने ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने, 15 जून तक पार्क में मेक्सिकन कारपेट घास लगाने के साथ ही मेन पावर बढ़ाते हुए आगामी दो माह में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बच्चों के मनोरंजन एवं शारीरिक विकास के लिए सुरक्षित और आकर्षक खेल उपकरण स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पार्क में वॉकिंग पाथ विकसित करने तथा पार्क के समीप वरिष्ठ नागरिकों के बैठने के लिए बेंच लगाने को भी कहा, ताकि यह स्थल बच्चों, अभिभावकों और वरिष्ठ नागरिकों सभी के लिए उपयोगी बन सके। जिलाधिकारी ने पार्क परिसर में स्वच्छता, हरियाली और बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि चिल्ड्रेन पार्क के निर्माण से नगरवासियों को एक बेहतर सार्वजनिक सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त, उन्होंने उपजिलाधिकारी को चिल्ड्रन पार्क के समीप क्षेत्र को नो पार्किंग जोन घोषित करने तथा तहसील परिसर में खड़े अनावश्यक वाहनों को हटाने के निर्देश दिए, जिससे पार्क के आसपास सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं आकर्षक वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता संजय भारती ने बताया कि पार्क में बच्चों के लिए मेरी-गो-राउंड, डोम क्लाइंबर, झूले, रोलर स्लाइड, टायर मल्टी प्ले स्टेशन, जिप लाइन एवं एलीफेंट स्लाइड जैसे आधुनिक खेल उपकरण लगाए जा रहे हैं। इस दौरान उप जिलाधिकारी प्रियंका रानी, नायब तहसीलदार रितु गोस्वामी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सुबह दौड़ने से पहले रखें इन बातों का ख्याल, शरीर को नहीं होगा नुकसान

प्रतिदिन व्यायाम करना स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है। यह न केवल शरीर को तंदरुस्त बनाये रखता है बल्कि मानसिक रूप से भी आपको क्रियाशील बनाता है। सेहत को अच्छा रखने के लिए कई लोग सुबह दौड़ना पसंद करते हैं। दौड़ने से कई तरह की शारीरिक समस्याओं से हम बचे रह सकते हैं। सुबह दौड़ना हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है। लेकिन दौड़ते समय हमें कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। क्योंकि कई बार हम दौड़ने तो निकल जाते हैं, लेकिन इससे कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। दौड़ने से सर्वाधिक कैलोरी बर्न होती है जो हमारे शरीर की कई सारी बीमारियों को बहा देती है। अक्सर हम दौड़ते से पहले कुछ गलतियाँ कर बैठते हैं, जो हमें नुकसान पहुँचाती हैं।

वॉर्मअप से करें शुरुआत : सुबह अगर आपको भी दौड़ना पसंद है, तो सबसे पहले वार्म अप करें। इसको करने से हमारा शरीर एक्सरसाइज के लिए तैयार हो जाता है। वॉर्मअप करने से हमारी मांसपेशियां खिचती है, जिससे क्रैंप होने से आप खुद को बचा सकते हैं। इतना ही नहीं हड्डियों के लिए भी वॉर्मअप बेहद ही जरूरी होता है। इससे हड्डियों में फ्रैक्चर होने से बचा जा सकता है।

बॉडी को हाइड्रेट रखें : अक्सर लोगों का मानना होता है कि दौड़ते समय पानी का सेवन नहीं करना चाहिए। लेकिन आपको बता दें कि, इस दौरान ये बहुत जरूरी होता है कि हम अपनी बॉडी को पूरी तरह से हाइड्रेटेड रखें। ऐसा करने से शरीर डिहाइड्रेशन का शिकार नहीं होता और आप अच्छे से एक्सरसाइज कर सकते हैं।

दौड़ते समय रखें बॉडी पोस्चर का ध्यान: कई बार लोग दौड़ते जरूर हैं लेकिन सही तरीके से नहीं दौड़ते। यदि आप गलत तरीके से दौड़ेंगे, तो आपको बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए इस बात का ध्यान जरूर रखें की दौड़ने के साथ साथ सही पोस्चर होना भी जरूरी होता है।

रनिंग जूते पहने: दौड़ने से पहले इस बात का ध्यान भी जरूर रखें कि आप रनिंग जूते पहनकर ही दौड़ रहे हैं। यदि आप किसी भी तरह के जूते या चप्पल पहनकर दौड़ेंगे, तो आप खुद के घुटनों को डैमेज कर सकते हैं। इसलिए ये भी जरूरी होता है कि आप सही जूतों का चयन करें।

समय को ध्यान में रखते हुए दौड़े: अगर आपको भी सुबह दौड़ना पसंद है, तो इस बात का ध्यान रखें कि सुबह सूरज उगने के पहले अपनी दौड़ को खत्म कर लें। वो इसलिए क्योंकि जब सूरज निकलने लगता है, तो उसके कारण हमें बहुत ज्यादा पसीना आना शुरू हो जाता है, जिससे शरीर का पानी बहुत जल्दी खत्म होने लगता है। इसलिए सूरज उगने के पहले दौड़ने की सलाह दी जाती है।

सही नहीं है खाने के बाद दौड़ना: ज्यादा खाने के बाद दौड़ाना आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। खाने के तुरन्त बाद किसी भी प्रकार की एक्सरसाइज न करें और ना ही एक्सरसाइज के तुरन्त बाद खाना खाएं।

नजरअंदाज न करें लघुशंका: एक्सरसाइज करते समय अगर आपको यूरीनेशन (लघुशंका)की आवश्यकता महसूस होती है तो इसे नजरअंदाज न करें। नजरअंदाज करने पर आपको चक्कर आने, पेट सम्बन्धी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

पानी जरूर पीयें : रनिंग करते समय अगर आपका गला सूख जाता है तो पानी अवश्य पीएं ऐसा न करने पर डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। आपको बहुत अधिक थकान भी महसूस होगी।

शब्द सामर्थ्य -041

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

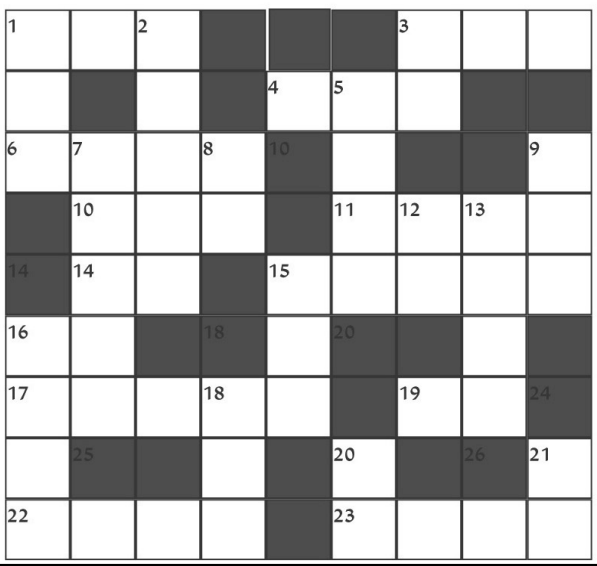

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 40 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

भीरा के रूप में नजर आएंगे बालाजी मनोहर

कन्नड़ एकटर यश की आगामी गैंगस्टर फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स रोज नए-नए सस्पेंस के साथ फैंस की उत्सुकता बढ़ा रही है। निर्देशक गीतु मोहनदास की यह एक्शन से भरी फिल्म अब और भी चर्चा में है। आज फिल्म के एक और एक्टर के किरदार का नाम सामने आया है। बालाजी मनोहर फिल्म में भीरा की भूमिका में नजर आएंगे।

यश ने आज अपनी फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का एक और दिलचस्प पोस्टर शेयर किया है, जिसमें अभिनेता बालाजी मनोहर नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में वह भीरा के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म के इस पोस्टर में बालाजी मनोहर हाथ में सिगार लिए और ब्लैक चश्मे में स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर ने फिल्म के लिए फैंस की उत्सुकता को और अधिक बढ़ा दिया है।

फिल्म की टीम लगातार नए किरदारों के पोस्टर जारी कर रही है, जिससे फैंस का जोश बढ़ता जा रहा है। पहले सुदेव नायर का कर्मादी वाला पोस्टर आया था। अब अक्षय ओबेरॉय टोनी के रोल में शामिल हुए हैं। उनका पोस्टर रेट्रो स्टाइल का है, जिसमें वो लाशों के ढेर पर खड़े दिख रहे हैं, जो उनके क्रूर किरदार की झलक देता है।

यश फिल्म टॉक्सिक में दो अलग-अलग भूमिकाएं निभा रहे हैं। यह फिल्म मार्च 2026 के तीसरे हफ्ते में यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 4 जून 2026 को यह दुनिया भर में रिलीज होगी। यह फिल्म 600 करोड़ रुपये के बड़े बजट में बनी है और बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ने की उम्मीद है। लेकिन इसे रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर- द रिवेंज से कड़ी टक्कर मिलेगी। टॉक्सिक फिल्म का टीजर पहले ही रिलीज हो चुका है, जो एक अंधेरी, खतरनाक और खूनी दुनिया की झलक दिखाता है। फैंस 4 जून का इंतजार कर रहे हैं।

रीम शेख, बोलीं- मैं 5 वक्त की नमाज पढ़ती हूं

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस रीम शेख ने हाल ही में दूसरे धर्म में शादी को लेकर रिएक्ट किया। उन्होंने बताया कि वो फिलहाल सिंगल हैं और दूसरे धर्म में शादी नहीं कर सकती हैं। रीम ने बताया कि वो 5 वक्त की नमाज पढ़ती हैं और दूसरे धर्म के लड़के के साथ एडजस्ट नहीं कर पाएंगी।

रीम शेख ने दूसरे धर्म में शादी को लेकर कहा, मैं अपने धर्म को मानती हूं। पांच वक्त की नमाज पढ़ती हूं। रमजान में रोजे रखती हूं। मैं इसीलिए दूसरे धर्म में शादी नहीं कर सकती। मैं खुदा से दुआ करती हूं और मेरी जिंदगी में जब भी कुछ होता है तो मैं उनके पास ही जातू हूं।

आगे रीम ने कहा, अगर कोई लड़का दूसरे धर्म को फॉलो करता है तो मैं उसके साथ एडजस्ट नहीं कर पाऊंगी। मैं जानती हूं मेरे ऐसा कहने पर मुझे गालियां पड़ेगीं। पर मैं ऐसे किसी लड़के के साथ नहीं रह सकती जो दूसरे धर्म को मानता हो।

रीम ने कहा कि उनके पेरेंट्स की इंटरफेथ मैरिज थी। लेकिन ये शादी चली नहीं थी।

रीम के करियर की बात करें तो उन्होंने 8 साल की उम्र से एक्टिंग करना शुरू किया था। वो शो नीर भरे तेरे नैना देवी में दिखीं। शो में वो देवी लक्ष्मी के रोल में थीं। इसके अलावा उन्होंने ना आना इस देस लाडो, एक हजारों में मेरी बहना है, मी अज्जी और साहिब, ये रिश्ता क्या कहलाता है, बेस्ट ऑफ लक निक्की, ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा, देवों के देव। महादेव, दिया और बाती हम, तू आशिकी, ए जिंदगी, संकट मोचन महाबली हनुमान, तुझसे है राबता, खतरा खतरा खतरा जैसे शोज किए। पिछली बार उन्हें शो लाफ्टर शेफ में देखा गया था। रीम ने वजिर, गुल मकई, होमबाउंड जैसी फिल्में की हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने याद किए पुराने दिन, इन दो शोज को बताया करियर का टर्निंग पॉइंट

अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने अपनी मेहनत से खुद को स्थापित किया है। बाल कलाकार के रूप में करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने इंडस्ट्री में काफी समय गुजारा है। अपने सफर को याद करते हुए अभिनेत्री ने एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पॉडकास्ट का क्लिप शेयर किया। इसमें उन्होंने बताया कि वे खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही काम करना शुरू कर दिया था। अभिनेत्री कहती हैं, मैं इसे ब्लेसिंग ही मानती हूं कि मैं बहुत जल्द ही एक बाल कलाकार बनी। मैं खुद को हमेशा एक बाल कलाकार के तौर पर देखती हूं। मैंने सिर्फ 8 साल की उम्र में ही काम शुरू कर दिया था। इसी वजह से मैं इस इंडस्ट्री से जुड़ गई।

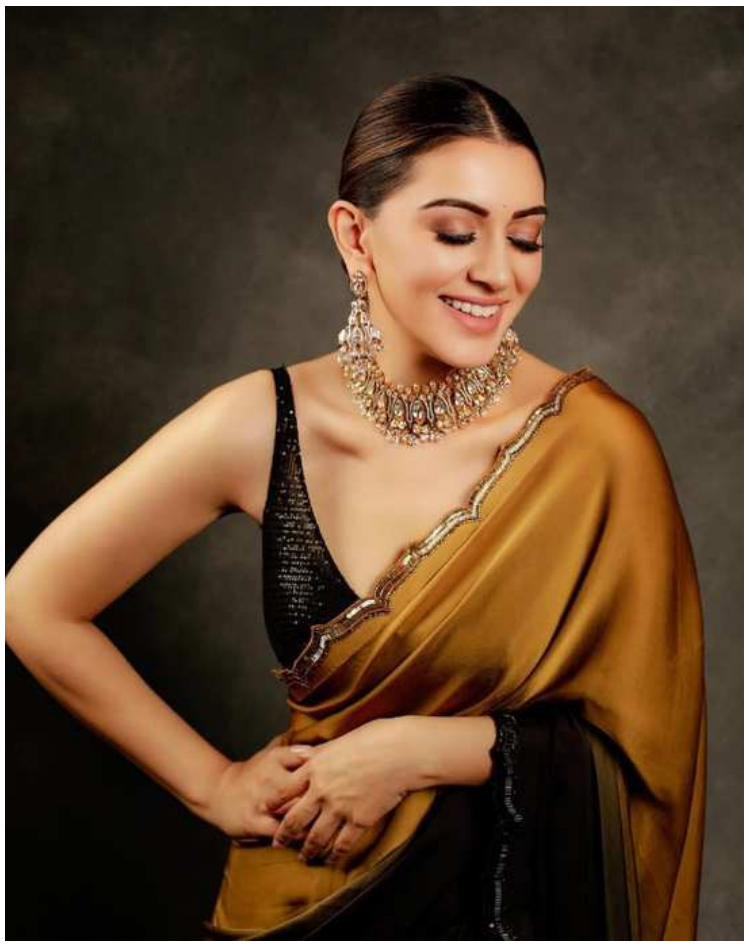

उन्होंने आगे कहा कि इस बात का सबसे अच्छा पहलू यह रहा कि उन्होंने इंडस्ट्री को दोनों दौर में देखा। उन्होंने कहा, एक दौर में जब मैगजीन पर कैमरा होता था और आज के डिजिटल युग में, मैं अपने आपको बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे बहुत अच्छे लोग मिले। उस समय टीवी बहुत बड़ा था। डेली सोप्स और किशोरों पर आधारित धारावाहिकों का खूब बोलबाला था।

अभिनेत्री ने दो शो का जिक्र किया, जो उनके करियर के लिए बहुत सफल रहे थे। उन्होंने कहा, शाका लाका बूम बूम और दूसरा देश में निकला होगा चांद से मुझे काफी लोकप्रियता मिली थी।

उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए कहा, मैं खुशकिस्मत थी कि उस दौर में भी मेरे आस-पास हमेशा अच्छे लोग रहे। इन शोज ने मुझे घर-घर में लोकप्रिय बना दिया।

हंसिका मोटवानी ने अपने करियर की शुरुआत लोकप्रिय बाल कलाकार के रूप में की थी, जो बाद में दक्षिण भारतीय सिनेमा (तमिल और तेलुगु) की एक प्रमुख अभिनेत्री बन गईं। उन्होंने टेलीविजन शो शाका लाका बूम बूम, देश में निकला होगा चांद और ऋतिक रोशन के साथ फिल्म कोई मिल गया में अभिनय किया।

गुलाबी साड़ी में कविता कौशिक ने बढ़ाई फैंस की धड़कनें

टीवी एक्ट्रेस कविता कौशिक एक बार फिर अपने देसी और नैचुरल अंदाज से फैंस का दिल जीत रही हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनका सादगी भरा लुक छा गया है. इन तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा, बिना किसी एडिट और बिना फिल्टर की तस्वीरें... एक्सेंट्स की देवी अगले के लिए तैयार हो रही है... मां के घर के करीब... क्या आप जानते हैं कि मैं आधी बंगाली हूं और मेरी बंगाली, हरियाणवी और पंजाबी से अच्छी है? बहुत ज्यादा उत्साहित हूं, आगे और देखने के लिए जुड़े रहें.

इसमें कविता ने हल्के गुलाबी रंग की साड़ी पहनी है, जो बहुत सॉफ्ट और एलिगेंट लग रही है. साथ ही उनका पूरा लुक सिंपल होने के बावजूद बहुत अट्रैक्टिव नजर आ रहा है. कविता ने ब्राइट पिंक कलर का ब्लाउज कैरी किया है, जिसका डीप नेक डिजाइन उनके लुक को बोल्ड टच दे रहा है. इस फोटो उन्होंने अपने बालों को नेचुरल और खुला रखा है. लंबे और घने बाल उनके पूरे लुक को और खूबसूरत बना रहे हैं. साथ ही उन्होंने सिल्वर ज्वेलरी पहनी है और उन्होंने अपने लुक को झुमके, कंगन और रिंग्स से पूरा किया हैं. तस्वीरों में उनका मेकअप बहुत ही मिनिमल है, जिससे उनकी नेचुरल ब्यूटी दिख रही है. हल्का काजल और न्यूड लिप्स उनके चेहरे को खूबसूरत बना रहा हैं.

बता दें कि कविता ने 2001 में कुटुंब सीरियल से टीवी पर कदम रखा था, हालांकि उन्हें असली पहचान 2006 के एफआईआर में चंद्रमुखी चौटाला के किरदार से मिली. टीवी सीरियल्स के अलावा उन्होंने हिंदी और पंजाबी में कई फिल्मों में काम किया है. उन्हें आखिरी बार साकिब सलीम की सीरीज कसान में देखा गया था.

बैंक शाखाओं के पास नहीं पार्किंग, इंतजाम ट्रैफिक हो रहा जाम

ऋषिकेश(आरएनएस)। नगर क्षेत्र में मुख्य मार्ग से लेकर आंतरिक सड़कों से लेकर गलियों तक बैंक शाखाओं का संचालन किया जा रहा है, लेकिन पार्किंग किसी भी शाखा के पास नहीं है, जिससे इन शाखाओं के ग्राहकों को मजबूरन वाहन फुटपाथ और सड़क पर पार्क करने पड़ते हैं। यह बेतरतीब वाहन बैंक शाखाओं की वजह से ट्रैफिक जाम का सबब बन रहे हैं। इन दिनों चारधाम यात्रा और पर्यटक सीजन चरम पर पहुंच रहे हैं। संकरे मुख्य मार्ग पर पहले स्लो ट्रैफिक और वीकेंड पर जाम की समस्या पैदा होती है, जिसमें बैक शाखाओं के बाहर सड़क पर पार्किंग भी अहम भूमिका निभा रही है। घाट चौक, दून तिराहा और चंद्रभागा तिराहे के पास ही तीन बैंकों की शाखाएं हैं, जिनमें हजारों की संख्या में ग्राहकों के खाते हैं, मगर ग्राहकों के लिए वाहन पार्किंग की सुविधा शाखा के पास नहीं है। व्यस्ततम रेलवे रोड, दून रोड और घाट रोड पर भी ग्राहाकें को मजबूरन वाहन सड़क पर ही खड़े करने पड़ रहे हैं। सर्वाधिक परेशानी दून मार्ग पर हो रही है, जिसपर न सिर्फ रकम लेनदेन की आधा दर्जन से ज्यादा शाखा हैं, बल्कि यहां गोल्ड की शाखाओं का संचालन भी किया जा रहा है। जीजीआईसी तिराहे पर इन शाखाओं की वजह से लोगों का न सिर्फ वाहन, बल्कि पैदल चलना भी दिन में मुश्किल हो जाता है। बावजूद, पुलिस यातायात को सुचारू रखने के लिए इस तरह की शाखाओं के खिलाफ कोई भी एक्शन लेते नहीं दिख रही है। बैंक शाखाओं को पार्किंग का इंतजाम करने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं।

सत्यापन अभियान में 25 ई-रिक्शा सीज

हरिद्वार(आरएनएस)। शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु और सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए परिवहन विभाग का ई-रिक्शा सत्यापन अभियान लगातार जारी है। शिवमूर्ति चौक से ललतारो पुल के बीच चलाए गए विशेष अभियान में बिना सत्यापन और बिना निर्धारित क्यूआर कोड स्टिकर संचालित ई-रिक्शाओं पर सख्त कार्रवाई की गई। जांच के दौरान अनियमितता पाए गए 25 ई-रिक्शाओं को सीज कर उनके चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के अनुपालन में यह अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) नेहा झा और सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) निखिल शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान परिवहन कर अधिकारी गोवर्धनपुर मुकेश भारती और परिवहन कर अधिकारी चिड़ियापुर मनीषा शाह भी मौजूद रहीं। अधिकारियों ने ई-रिक्शाओं के दस्तावेजों और सत्यापन संबंधी अभिलेखों की गहन जांच की। चेकिंग के दौरान पंजीकरण प्रमाणपत्र, बीमा, फिटनेस, चालक लाइसेंस और विभाग की ओर से जारी क्यूआर कोड स्टिकर की विशेष रूप से जांच की गई। कई ई-रिक्शा बिना आवश्यक दस्तावेजों और सत्यापन के संचालित पाए गए, जिन पर विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन सीज किए।

सू- दोकू क्र.041

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.40 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

जनसेवा और संगठन ही भाजपा की पहचान: ओमप्रकाश धनखड़

ऋषिकेश(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत रायवाला में दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया। पहले दिन पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक सुदृढ़ता, कार्यकर्ता विकास और प्रभावी कार्यपद्धति पर विस्तार से मंथन किया गया। दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने किया। उन्होंने कहा कि जनसेवा और संगठन ही भाजपा की असली पहचान है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानववाद भाजपा की नीति और कार्यशैली का मूल आधार है, जिसका उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सेवा भाव, अनुशासन और निष्ठा के साथ संगठन कार्य करने का आह्वान किया। कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने भाजपा के इतिहास और विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पार्टी का निरंतर विस्तार त्याग, तपस्या और समर्पित कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, जिसका आधार उसका अनुशासित और विचारधारात्मक रूप से मजबूत कार्यकर्ता हैं। भाजपा प्रदेश मंत्री आदित्य चौहान ने कहा कि संगठन की मजबूती जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं से ही संभव है। उन्होंने प्रत्येक कार्यकर्ता से अपने दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया। प्रदेश मंत्री नेहा जोशी ने कार्यपद्धति विषय पर प्रशिक्षण देते हुए संगठनात्मक अनुशासन, आपसी समन्वय और समयबद्ध कार्यशैली को अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को वैचारिक और संगठनात्मक रूप से और अधिक सशक्त बनाना है। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिन चार सत्रों का आयोजन किया गया। सत्रों में वक्ताओं ने आगामी संगठनात्मक गतिविधियों और अभियानों को पूरी सक्रियता, अनुशासन और समर्पण के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। मौके पर रायवाला में आयोजित जिला प्रशिक्षण वर्ग में भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र तडियाल, मंडल महामंत्री ऋषिकेश मनोज ध्यानी,ऋषिकेश प्रभारी दान सिंह रावत, सह प्रभारी अमन त्यागी, विधायक प्रेमचंद अग्रवाल, डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला, प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी हिमांशु संगतानी, जिला महामंत्री प्रतीक कालिया, दीवान सिंह रावत, जिला मीडिया प्रभारी मनीष क्षेत्री, डोईवाला मंडल अध्यक्ष पंकज शर्मा, चंद्रभान पाल, देवदत्त शर्मा, शिवम् टुटेजा, ममता नयाल, उषा कोठारी, वंदना स्वामी, पुष्पा ध्यानी, अरुण शर्मा, संपूर्ण रावत आदि उपस्थित रहे।

परीक्षा समीक्षा बैठक में छात्रों ने अनुभव साझा किए

उत्तरकाशी(आरएनएस)। राजकीय इंटर कॉलेज कंडारी, नौगांव में हाईस्कूल परिषदीय परीक्षा में सफल छात्र-छात्राओं के साथ परीक्षा-समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्रा पूजा गौड़, खुशी चौहान और कनिका गौड़ को सम्मानित किया गया। राइंका कंडारी में इस बार बोर्ड परीक्षा का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। शिक्षक अनिल बहुगुणा ने बच्चों के सतत प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सफलता केवल अंकों से नहीं, बल्कि निरंतर सीखते रहने की प्रक्रिया से बनती है। कार्यक्रम संयोजक कला शिक्षक सुरक्षा रावत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा केवल अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वयं को पहचानने और आगे की दिशा तय करने का अवसर भी है। प्रधानाचार्य रमेश लाल ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में शिक्षक विशंभर प्रसाद नौटियाल, इंद्र सिंह नेगी, दिव्या गौड़, तनवी, सलोनी, वंशिका, सुनाक्षी, मोनिका, ऋषिका, साक्षी, कृष गौड़, अनमोल राणा, रचित गौड़ आदि उपस्थित रहे।

उत्तरकाशी के लोगों ने बांध प्रभावितों के आंदोलन को दिया समर्थन

उत्तरकाशी(आरएनएस)। निशुल्क बिजली-पानी देने की मांग को लेकर बांध प्रभावितों का धरना जारी रह। 14वें दिन क्रमिक अनशन पर भगवानदेई तोपवाल और रामेश्वरी कठैत बैठी। उन्होंने शासन-प्रशासन से प्रभावितों की मांग का शीघ्र समाधान की मांग उठाई। बौराड़ी के गणेश चौक में बांध प्रभावितों का जन अधिकार संघर्ष मोर्चा के बैनर तले धरना जारी है। मोर्चा के अध्यक्ष सागर भंडारी ने बताया उत्तरकाशी जिले के भाजपा नेता विजय बहादुर सिंह रावत और सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष रावत ने धरन स्थल आकर बांध प्रभावितों को अपना समर्थन दिया। विजय और सुभाष ने कहा कि टिहरी बांध बनने से टिहरी ही नहीं उत्तरकाशी जिले के भी कई गांव प्रभावित हुए हैं। बांध बने कई वर्ष बीत जाने के बाद भी प्रभावितों की समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है। लोगों को आज भी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ है। मोर्चा के अध्यक्ष भंडारी ने कहा कि बांध प्रभावित दो माह से अधिक समय से धरने पर बैठे हैं लेकिन उनकी मांग का समाधान नहीं हो पा रहा है। कहा कि मांग पूरी न होने पर बांध प्रभावितों में आक्रोश बना है। कहा कि जब मांग पूरी नहीं हो जाती उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर देवांक चमोली, दिनेश भट्ट,दीपक नेगी, रोहन, नैतिक खत्री, अशरफ सेमवाल, शीला पैन्यूली, कृष्ण बिष्ट, रेखा नेगी, अयुष्मान, अंशुमन, राघव आदि मौजूद थे।

आवारा कुत्तों से निजात दिलाने की मांग

रुड़की(आरएनएस)। समाजवादी आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव मौसम अली ने नगर पंचायत अध्यक्ष को पिरान कलियर को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में बढ़ रहे आवारा कुत्तों के आतंक और स्टील गार्डर पुल के पास बने गहरे गड्ढों की समस्या से अवगत कराया। सौंपे ज्ञापन में उन्होंने बताया कि नगर पंचायत के चारों गांव पिरान कलियर, बेड़पुर, मुकर्रबपुर और महमूदपुर में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

सहायक श्रमायुक्त कार्यालय में कर्मियों का टोटा

कोटद्वार(आरएनएस)। सहायक श्रमायुक्त कार्यालय में कर्मचारियों का टोटा बना है। स्थिति यह है कि कार्यालय दो संविदा लिपिकों व दो चतुर्थ कर्मियों के भरोसे चल रहा है।

कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी की सेवानिवृत्ति के बाद अभी नियुक्ति नहीं हुई है। सरकार जनता के द्वार समेत अन्य सरकारी शिविरों व एक साथ कई ब्लॉकों में बैठकें होने की दशा में विभागीय अधिकारी, कर्मचारी की उपस्थिति दर्ज कराना व श्रम कानूनों को लागू करना चुनौती बना है। वर्ष 2017 में पौड़ी जनपद के अंतर्गत कोटद्वार में सहायक श्रमायुक्त कार्यालय खोला गया। श्रम कार्यालय में कर्मचारियों की तैनाती नहीं होने के कारण संविदा कर्मियों की तैनाती की गई लेकिन बाद में उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। वर्तमान में सहायक श्रमायुक्त के पास पौड़ी के अलावा रुद्रप्रयाग व चमोली जनपद का कार्यभार भी है। वहीं, श्रम प्रवर्तन अधिकारी की तैनाती तो है लेकिन वह भी वर्तमान में मेडिकल लीव पर चल रहे हैं। मई, 2025 में प्रशासनिक अधिकारी कमल कुमार की सेवानिवृत्ति के बाद उनके स्थान पर नई तैनाती नहीं हो पाई है। स्थिति यह है कि कार्यालय दो संविदा लिपिकों व दो स्थायी चतुर्थ कर्मियों के भरोसे संचालित हो रहा है। कर्मचारियों की कमी के कारण विभागीय बैठकों के साथ ही सरकारी कार्यक्रमों, शिविरों में विभागीय अधिकारी व कर्मचारी की उपस्थिति चुनौतीपूर्ण बना है।

श्रम विभाग में जिले में पूर्व में जहां 39,000 श्रमिक पंजीकृत थे वहीं वर्तमान में 29,000 हैं। जनपद के सभी ब्लॉकों के श्रमिकों को श्रम विभाग की योजनाओं का लाभ लेने और समस्याओं के निराकरण के लिए कोटद्वार ही आना पड़ता है। अधिकारियों की अनुपस्थिति में दूरदराज से आए श्रमिकों को बैरंग लौटने को मजबूर होना पड़ता है। अधिकारियों को भी साप्ताहिक बंदी से लेकर श्रम कानूनों का पालन करवाने, श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, योजनाओं का लाभ दिलाने और मजदूरों की समस्याओं का निराकरण करना पड़ता है।

वर्ष 2017 में कोटद्वार में खुले सहायक श्रमायुक्त कार्यालय का अपना कार्यालय भवन भी नहीं है। स्थिति यह है कि कार्यालय किराए के भवन में संचालित हो रहा है। शुरुआत में कार्यालय तहसील के भवन में संचालित हुआ। इसके बाद कार्यालय को जीएमटी भवन, उसके बाद बदरीनाथ मार्ग पर संचालित किया गया। वर्तमान में कार्यालय का संचालन कालाबड़ में किराये के भवन में संचालित किया जा रहा है।

सैनिक कल्याण मंत्री ने रोजगार मेले में चयनित लोगों को नियुक्ति पत्र किये प्रदान

संवाददाता

देहरादून। पूर्व सैनिक आश्रितों के लिए आयोजित रोजगार मेले में चयनित लोंगों को सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने नियुक्ति पत्र प्रदान किये।

आज यहां सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने आईआरडीटी ऑडिटोरियम, सर्वे चौक, में सैनिक कल्याण विभाग एवं आईटीडीए के माध्यम से प्रायोजित पूर्व सैनिक आश्रितों के लिए आयोजित रोजगार मेले में प्रतिभाग किया। यह रोजगार मेला कम्प्यूटर एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके पूर्व सैनिक आश्रितों के लिए आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने चयनित लोगों को नियुक्त पत्र भी वितरित किए और निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया। रोजगार मेले में 21 निजी कंपनियों द्वारा प्रतिभाग किया गया है। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि सैनिक कल्याण विभाग एवं आईटीडीए विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह रोजगार मेला केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सशक्त पहल है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड केवल देवभूमि ही नहीं, बल्कि वीरभूमि भी है, जहाँ प्रत्येक परिवार देशभक्ति, अनुशासन और त्याग की भावना से जुड़ा हुआ है। मंत्री जोशी ने कहा कि पूर्व सैनिकों और वीर नारियों ने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपना अमूल्य योगदान दिया है और अब सरकार की जिम्मेदारी है कि उनके परिवारों एवं आश्रितों को शिक्षा, कौशल और रोजगार के माध्यम से सशक्त बनाया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं, जिनके अंतर्गत शिक्षा अनुदान, छात्रवृत्ति, चिकित्सा सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण एवं पुनर्वास योजनाओं के माध्यम से निरंतर सहयोग प्रदान किया जा रहा है। मंत्री जोशी ने कहा कि पिछले दो वर्षों में सैनिक कल्याण विभाग एवं आईटीडीए विभाग के संयुक्त प्रयासों से 628 पूर्व सैनिक आश्रितों को कम्प्यूटर एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, जबकि वर्तमान में 227 प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जनवरी 2024 में आयोजित रोजगार मेले में 22 पूर्व सैनिक आश्रितों को रोजगार उपलब्ध कराया गया था। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में हमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। इस अवसर पर सैनिक कल्याण निदेशक श्याम सिंह, उप निदेशक कर्नल वीपी भट्ट, विंग कमांडर निधि बधानी, अपर निदेशक आईटीडीए तीरथ पाल आदि उपस्थित रहे।

सिडकुल मुख्यालय से संविदा भर्ती की फाईल चोरी

संवाददाता

देहरादून। सिडकुल मुख्यालय से संविदा भर्ती प्रक्रिया की फाईल चोरी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिडकुल मुख्यालय आईटी पार्क के एचआर मैनेजर करन सिंह नेगी ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि कार्यालय से एचआर पदों की संविदा भर्ति प्रक्रिया से सम्बन्धित एक महत्वपूर्ण अधिकारिक फाइल निगम के अभिलेखों में काफी खोजने पर हीं मिला व किसी के द्वारा जानबूझ कर फाइल को खुदबुर्द किया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बार-बार प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर... ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

प्रणाली में गंभीर खामियां मौजूद हैं। दुर्भाग्य की बात यह है कि हर वर्ष जांच और सख्ती के दावे किए जाते हैं, लेकिन फिर भी परीक्षा की विश्वसनीयता पर लगातार प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं। गोदियाल ने कहा है कि एक लोकतांत्रिक राष्ट्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखना सरकार और परीक्षा एजेंसियों की नैतिक एवं संवैधानिक जिम्मेदारी है। यदि प्रतिभाशाली और मेहनती विद्यार्थियों को न्याय नहीं मिलेगा तो युवाओं का व्यवस्था से विश्वास उठना स्वाभाविक है। नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में जिन लोगों ने पैसे और प्रभाव के दम पर मेहनती विद्यार्थियों के अधिकारों को कुचलने का प्रयास किया है, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। गोदियाल ने केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री से मांग करते हुए कहा कि नीट परीक्षा में हुए सभी पेपर लीक एवं अनियमितताओं की सर्वोच्च न्यायालय के सिटिंग जज की निगरानी में उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष न्यायिक जांच कराई जाए। परीक्षा संचालन में शामिल दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संगठित गिरोहों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्यवाही की जाए। परीक्षा केंद्रों पर आधुनिक तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था लागू की जाए, जिसमें लाइव सीसीटीवी मॉनिटरिंग एवं बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य हो। गणेश गोदियाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी छात्रों के साथ खडी है और केन्द्र सरकार से आशा करती है कि भविष्य में होने वाली सभी प्रतियोगी परीक्षाओं को पूर्ण पारदर्शिता, सुरक्षा और निष्पक्षता के साथ आयोजित किया जाए, ताकि युवाओं का विश्वास लोकतांत्रिक व्यवस्था और शिक्षा प्रणाली पर बना रहे।

कल्पना की उड़ान: गांव की बेकरी बनी महिलाओं की ताकत

❑सालाना 40 लाख का कारोबार, 9 महिलाओं को मिला आत्मनिर्भरता का सहारा

संवाददाता

देहरादून। दून की एक महिला उद्यमी प्रदेशभर की महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरी हैं सालान 40 लाख का कारोबार, नौ महिलाओं को आत्मनिर्भरता का का सहारा मिला।

आज यहां राजधानी देहरादून की एक महिला उद्यमी प्रदेशभर की महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरी हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की जनकल्याणकारी योजनाओं और ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के सहयोग से विकासखंड विकासनगर की ग्राम सोरना डोभरी निवासी कल्पना बिष्ट ने अपने सपनों को नई उड़ान देते हुए "स्वाभिमान महिला बेकरी यूनिट" की स्थापना की। आज यह यूनिट न केवल स्थानीय महिलाओं को रोजगार दे रही है, बल्कि मिलेट्स और पारंपरिक उत्पादों के माध्यम से बाजार में अपनी अलग पहचान भी बना चुकी है। कल्पना बिष्ट कई वर्षों से स्वाभिमान महिला क्लस्टर लेवल फेडरेशन (सीएलएफ) स्वायत्त सहकारिता से जुड़ी हुई हैं। वर्ष 2024-25 में उन्होंने ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के सहयोग से लगभग 10 लाख रुपये की लागत से बेकरी यूनिट स्थापित की। इसमें रीप परियोजना से 6 लाख रुपये की सहायता, 7 प्रतिशत ब्याज दर पर 3 लाख रुपये का बैंक ऋण तथा 1 लाख रुपये का स्वयं का अंशदान शामिल है। आज यह यूनिट सालाना लगभग 40 लाख रुपये का कारोबार कर रही है। साथ ही इस पहल ने स्थानीय स्तर पर 9 महिलाओं को रोजगार देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी प्रदान किया है। शुरुआत में यह यूनिट केवल प्रेमनगर, सेलाकुई, सहसपुर, हरबर्टपुर, विकासनगर, कालसी और देहरादून तक सीमित थी, लेकिन अब इसके उत्पाद उत्तरकाशी और टिहरी तक सीधे पहुंच रहे हैं। प्रत्येक सप्ताह इन जनपदों से मिल्क रस और मांडवे के बिस्कुट जैसे उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। उत्पादों की सप्लाई को सुगम बनाने के लिए स्वाभिमान महिला क्लस्टर लेवल फेडरेशन की सहायता से शून्य प्रतिशत ब्याज पर एक इको वैन भी खरीदी गई है, जिससे अब दूरस्थ बाजारों तक आसानी से उत्पाद पहुंचाए जा रहे हैं। जिला परियोजना प्रबंधक सोनम गुप्ता ने बताया कि स्वाभिमान महिला बेकरी यूनिट आज प्रोफेशनल और स्वच्छ तरीके से कार्य कर रही है तथा इसके उत्पादों की बाजार में अच्छी मांग है। उन्होंने कहा कि इस मॉडल की सफलता को देखते हुए अन्य विकासखंडों में भी ऐसी यूनिट स्थापित की जाएंगी, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकें। राज्य सरकारी की योजनाओं से प्रेरित होकर कल्पना बिष्ट की यह पहल न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को रोजगार, सम्मान और आत्मनिर्भरता की नई राह भी दिखा रही है।

चेक बाउंस मामले की वांछित महिला वारंटी गिरफ्तार

संवाददाता

टिहरी। चेक बाउंस के मामले में वांछित महिला वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल श्रीमती श्वेता चौबे के निर्देशन में जनपद में चलाए जा रहे अभियान "ऑपरेशन प्रहार" के अंतर्गत वांछित अपराधियों एवं गैर-जमानती वारंटियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना मुनिकीरेती पुलिस को चेक बाउंस प्रकरण में वांछित महिला वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई। थाना मुनिकीरेती पुलिस टीम द्वारा महिला वारंटी उमा बिश्नोई पत्नी विकास बिश्नोई निवासी निर्मल ब्लॉक, वीरपुर खुर्द, थाना ऋषिकेश, को वीरपुर खुर्द, ऋषिकेश क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपी 138 एनआई एक्ट में न्यायालय नरेंद्रनगर से वांछित चल रही थी। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

साइबर ठगों पर एसटीएफ की कार्यवाही लगातार जारी

❑त्वरित कार्यवाही कराते हुये बचायी गयी साइबर अपराध पीड़ितों की 10.01 करोड रुपये की धनराशि

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ के अधीन राष्ट्रीय वित्तीय हेल्पलाइन 1930 कंट्रोल रुम द्वारा वर्ष में अब तक 04 माह की अवधि में साइबर अपराध में पीड़ितों से विभिन्न माध्यमों से ठगी गयी 10.01 करोड़ रुपये की धनराशि को सुरक्षित/वापस कराया गया।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ अजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तराखण्ड एसटीएफ द्वारा साइबर अपराध पीड़ितो को त्वरित न्याय दिलाने तथा अपराधिक घटना में संलिप्त साइबर अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही के निर्देश निर्गत किये गये हैं। जिसके क्रम में एसटीएफ के अधीन संचालित राष्ट्रीय वित्तीय हेल्पलाइन 1930 कंट्रोल रुम को साइबर अपराध पीड़ितो की धनराशि को होल्ड/बचाये जाने हेतु त्वरित कार्यवाही किये जाने के निर्देश किया गया था। फलस्वरुप राष्ट्रीय वित्तीय हेल्पलाइन 1930 कंट्रोल रुम द्वारा वर्ष में अब तक 04 माह की अवधि में साइबर अपराध में पीड़ितों से विभिन्न माध्यमों से ठगी गयी 10.01 करोड़ रुपये की धनराशि को सुरक्षित/वापस कराया गया। विगत 10 दिनों की अवधि में अधिक धनराशि की धोखाधड़ी में होल्ड/सुरक्षित करायी गयी। साईबर हेल्प लाईन 1930 (एसटीएफ) देहरादून पर निशा सजवाण निवासी देहरादून द्वारा अपने साथ 315079 रूपये की धोखाधडी की शिकायत 1930 के माध्यम से दर्ज की गयी थी। जिस पर 1930 मे नियुक्त टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए शिकायतकर्ता की 315079 रूपये को होल्ड कराया गया है।

संदीप तोमर निवासी देहरादून द्वारा अपने साथ 4790000 रूपये की धोखाधडी की शिकायत 1930 के माध्यम से दर्ज की गयी थी। जिसपर 1930 मे नियुक्त टीम द्वारा शिकायतकर्ता की 370381 रूपये को होल्ड कराया गया है। साईबर हेल्प लाईन 1930 (एसटीएफ) देहरादून पर रूप सिंह रावत निवासी देहरादून द्वारा अपने साथ 245000 रूपये की धोखाधडी की शिकायत दर्ज की गयी थी। जिसपर 1930 मे नियुक्त टीम द्वारा शिकायतकर्ता की 86188 रूपये को होल्ड कराया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ उत्तराखण्ड ने जनता से अपील की है कि अपना बैंक खाता किसी अन्य को उपयोग हेतु न दें, कमीशन/किराये पर खाता देना अपराध है, अज्ञात धनराशि आने पर तुरंत बैंक/पुलिस को सूचित करें तथा अन्जान नम्बरों से आने वाली वीडियो कॉल से बात न करें, न ही कोई सूचना/दस्तावेज दें। यदि कोई आपको पुलिस, सीबीआई, ईडी आदि का अधिकारी बताकर डिजिटल अरेस्ट करने को डराये धमकाये तो घबरायें नहीं, कोई भी एजेन्सी ऑनलाईन गिरफ्तार नहीं करती है। किसी भी प्रकार के लोक लुभावने अवसरों / फर्जी साईट / धनराशि दोगुना करने के प्रलोभनों में न आयें । साथ ही फर्जी निवेश ऑफर जैसे सब्सक्राइब, टेलीग्राम आधारित निवेश वेबसाइट ऑफर में निवेश न करें। गूगल से कोई भी कस्टमर केयर नम्बर को सर्च न करें ।

महिला सहित 6 बुर्जुग चोर गिरफ्तार

❑7 लाख रूपये की ज्वैलरी बरामद

हमारे संवाददाता

देहरादून। ज्वैलर्स के शोरूम से 6 सोने की चेन चुराने वाले महाराष्ट्र के एक अर्तराज्जीय गैंग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुरायी गयी 6 सोने की चेने बरामद की गयी है। आरोपियों में एक महिला सहित 6 बुर्जग शामिल है जो इस तरह की घटनाए कई राज्यो में अंजाम दे चुके है।

जानकारी के अनुसार बीती 9 मई को सुरेन्द्र कुमार कक्कड पुत्र स्व. मदन लाल कक्कड निवासी पी.एन.बी. गली, मिल रोड, डोईवाला, जनपद देहरादून द्वारा कोतवाली डोईवाला में तहरीर देकर बताया गया था कि 8 मई को कुछ अज्ञात महिला व पुरूष ज्वैलरी की खरीदारी करने हेतु उनकी दुकान कंचन ज्वैलर्स मे आये तथा उनको अपनी बातो मे उलझाकर उनकी दुकान मे रखी सोने की 6 चैन चोरी कर ले गये। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरो की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरो की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल के आस-पास तथा आने जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को चैक करते हुए घटना में शामिल संदिग्धों की फुटेज प्राप्त की गई, साथ ही घटना से जुड़ी आवश्यक जानकारियां एकत्रित की गई। पुलिस द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयासों से बीती रात एक सूचना के बाद पुलिस ने रेलवे स्टेशन हर्रावाला, डोईवाला से घटना में शामिल 1 महिला सहित 6 आरोपियों जिनमे पांडुरंग, वासुदेव, सतीश नामदेव शिंदे, मनीष मनोहर मोरे, मंगेश सुर्वे व महिला आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से घटना में चोरी की गई शत प्रतिशत ज्वैलरी बरामद की गयी है।

पूछताछ में जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त सभी आरोपी मूल रूप से महाराष्ट्र के निवासी है, जो टोली बनाकर ज्वैलर्स शॉप को चिन्हित करते है तथा एक साथ चिन्हित दुकान मे ग्राहक के रूप मे जाकर उनमें से कुछ लोग दुकान स्वामी को सामान का मोल-भाव करने के बहाने अपनी बातो मे उलझा लेते है तथा अन्य मौका देखकर दुकान मे रखे कीमती अभूषण चोरी कर लेते है, चूंकि वह सारे आरोपीं मे से अधिकांश लोग वृद्ध है, जिस कारण कोई इन पर शक भी नही करता है तथा लोग आसानी से उन पर भरोसा कर लेते है, जिसका फायदा उठाकर यह लोग चोरी की घटना को अंजाम देकर तुरन्त ही अपने मूल निवास महाराष्ट्र के लिए निकल जाते है। पूछताछ में उनके द्वारा देहरादून मे अन्य स्थानो पर भी ज्वैलर्स शॉप में चोरी का प्रयास करने पर दुकानदारो की सजगता के कारण सफल न हो पाने की जानकारी प्राप्त हुई।

खाई में गिरी कार, एक की मौत एक गंभीर घायल

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। सड़क दुर्घटना के चलते एक कार के गहरी खाई में गिर जाने से जहां एक युवक की मौके पर ही मौत हो गयी वही दूसरा गम्भीर रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ ने रेस्क्यू अभियान चलाकर मृतक व घायल को बाहर निकाला और दोनो का अस्पताल पहुंचाया। जहां घायल युवक की हालत चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार जवाड़ी पुल के समीप उस समय बड़ा हादसा हो गया, जब एक बलेनो कार अनियंत्रित होकर लगभग 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना जवाड़ी बाईपास की नई सुरंग के पास हुई, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, कोतवाली रुद्रप्रयाग पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं। दुर्गम और जोखिम भरे हालात के बीच संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाया गया। कड़ी मशक्कत के बाद टीमों ने कार में फंसे दो लोगों को बाहर निकालकर एम्बुलेंस के माध्यम से जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग भेजा। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान देव (24 वर्ष), पुत्र ओमप्रकाश, निवासी किशनगढ़, बसंतकुंज नई दिल्ली के रूप में हुई है। वहीं, हादसे में घायल बालकृष्ण उर्फ तुषार (22 वर्ष), पुत्र मणिकंदन, निवासी महावीर एन्क्लेव, द्वारका, नई दिल्ली को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में हायर सेंटर श्रीनगर रेफर किया गया है।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित आवास से पैदल कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचाने की अपील की पहल पर आज अपने आवास से कलेक्ट्रेट कार्यालय पैदल पहुंचे। उन्होंने प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की है कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी इस मुहिम को सफल बनने में अपना सहयोग करे तथा जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों के आवास से कार्यालय नजदीक है उन्हें पैदल ही कार्यालय पहुंचने की अपेक्षा की गई है। उन्होंने यह भी अवगत कराया है कि आयोजित होने वाली बैठकों का वर्चुअल माध्यम से ही संचालित किया जाएगा, आवश्यकता पड़ने पर ही संबंधित अधिकारियों को बैठक में बुलाया जाएगा। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विद्युत बचत के लिए अनावश्यक विद्युत लाइटों एवं उपकरणों का उपयोग न करने के निर्देश दिए गए।

पांच सटोरिये गिरफ्तार, हजारों की नगदी बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सार्वजनिक स्थान पर सट्टे की खाईबाड़ी कर रहे पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से सट्टा पर्ची व हजारों की नगदी बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना सिडकुल पुलिस को सूचना मिली कि कुछ लोग सार्वजनिक स्थाना पर सट्टे की खाईबाड़ी कर रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर दबिश दी और पांच लोगों को सट्टा पर्ची व 5200 रूपये की नगदी सहित गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में उन्होने अपना नाम जगमोहन उर्फ नानू पुत्र रामचंद्र निवासी रावली महदूद थाना सिडकुल हरिद्वार, एवरन पुत्र खूब सिंह निवासी गणेशपुर सिरौली जनपद बरेली उत्तर प्रदेश हाल पता प्रदीप का मकान रावली महदूद थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार, हेमराज पुत्र सोमपाल, दिनेश कुमार पुत्र जीवनलाल व प्रभु गुप्ता पुत्र नारायण गुप्ता निवासी 60 - बी रामनगर महेश नगर अंबाला हरियाणा हाल निवासी प्रदीप का मकान रावली महदूद थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार बताया।

पुलिस ने उनके खिलाफ जुआ अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

यमुनोत्री-गंगोत्री धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। राज्य में चल रही चारधाम यात्रा लगातार गति पकड़ रही है। श्री यमुनोत्री धाम और श्री गंगोत्री धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। जिला प्रशासन द्वारा यात्रा को सुगम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए किए गए व्यापक इंतजामों के चलते तीर्थयात्री निर्बाध रूप से दर्शन कर रहे हैं।

यात्रा बुलेटिन के अनुसार,बुधवार 13 मई 2026 को शाम 6.30 बजे तक दोनों धामों में कुल 26,718 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इनमें 14,044 पुरुष, 12,116 महिलाएं और 558 बच्चे शामिल रहे। चारधाम यात्रा

चार लाख के पार पहुंची श्रद्धालुओं की संख्या

शुरू होने के बाद से अब तक कुल 4,12,815 श्रद्धालु यमुनोत्री और गंगोत्री धाम में दर्शन कर चुके हैं। इनमें यमुनोत्री धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 2,07,390 है वहीं गंगोत्री धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 2,05,425 है। श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या से स्पष्ट है कि इस वर्ष यात्रा के प्रति देशभर के श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। यात्रा मार्गों पर सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह सक्रिय हैं। बुधवार को दोनों धामों के लिए कुल 2,243 वाहनों का संचालन किया गया, जिनमें यमुनोत्री धाम के लिए 1,013 वाहन रहे वहीं गंगोत्री धाम के लिए 1,230 संचालित किये गये। इस यात्रा सीजन में अब तक कुल 40,989 वाहनों के माध्यम से श्रद्धालु इन दोनों पवित्र धामों तक पहुंच चुके हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।